

आईलवयू





लेखक-- विकास महतो

स्क्रिप्टिंग एण्ड एडिटिंग-- अरविन्द कुमार यादव

आर्ट-- एम (M)

कवर-- एम (M)

कवर कलरिस्ट-- पासंग अमृत लामा

कलर-- अनिरुद्ध सिद्धार्थ चौहान व सूरज मालवीय

कैलीग्राफी-- संजय यादव (संजु)

ब्लैक बोर्ड-- ऋणभ राज

पता नहीं विशु हमसे प्यार करती है कि नहीं, पर ई बात तो है कि स्कूलवा मे रहें या कोचिंगवा मे, ऊ हमसे बतियाती बहुत है।



और हँस हँस से के बतियाती है, और ई जो परसो रात मे इंटरव्यू देखे थे शाहरुखवा का, वो तो यहीं बोल रहे थे कि हँसी तो फंसी।



हमको तो शाहरुखवा बहुते भाता है..

पर पता नहीं काहे ई ललनवा और रोहितवा को इससे चिढ़ रहती हैं हमेशा।



ओए सोनू,
रुक बे हमको तो
साथ ले ले।

साला इन्ही दोनों के चक्कर मे
हमको 'हैरी मेट सेजेल'
मोबाइलवे मे देखना पड़ा था।



का बे, गर्लफ्रेंडवा
के चक्कर मे हमको पीछे
छोड़ हमेशा पहिले ही चट्ट से
पहुँच जाते हो स्कूल हाय ?

अरे नहीं यार
वो बात नहीं हैं। व..
वो मैं...



अबे छोड़ो बे
मिमियाना तुम। अब हमको
ही सिखा रहे हो।



चलो तुम्हारी
सेटिंग करा ही
देते हैं।

ई विशु क्लासवा मे तो फस्ट बेंच पे ही बैठती हैं...

अबे किसी नें
देख लिया तो...

अरे चुप
कर जा भाई, कुछ
न होगा।

इसी लिउ हमने प्लान बना के इसी बृहस्पत को शाम को छुट्टी के बाद
साईकिलवा के चाभी से खण्ड- खण्ड कर आधा घंटा **S+V** लिखा था।

हम
देखते हैं कोई आ
ना जाए।

ओए, यहाँ
क्या कर रहे हो ?

मर गए।

स्कूल के चपरासी मंगल चाचा को भी
देना पड़ा था 20 रुपया इसी चक्कर मे।

देखा !
मान गया ?

हमको तो इंतजार था शुक्रर का, कि जल्दरे ई हमको कुछ तो बोलेगी।

अबे हमको तो डर
लग रहा हैं कल जो हम कांड
किपु हैं उका लेकर।

विश्वास रख भाई,
हमारा आइडिया है। आज तो फुल
एंड फाइनल समझ सब। आज
जल्दरे बोलेगी कुछ।

देख लो यार, आज ही
हो जापु तो बढ़िया हैं, नहीं तो कल
से गर्मी की छुट्टी चालू।

पर साला हमरे तो किरमते खराब हैं, शुक्रर को वह आई ही नहीं और..

लो सशुर हो
गया बेड़ागर्क।

शजीचर को तो
स्कूलवा गर्मी छुट्टी मे
बंद हो गया।

अब लिओ घंटा।

टेंशन नहीं हैं बे,
शाम को उ इंग्लिश ट्यूशन
मे तो रोजे आती हैं ना।

चल भाई वही
बाजी मार लियो।

अब ट्यूशनवा मे ही देख कर अखियां का झुलाज करेंगे और बतियाने मे तो हम फार्वर्ड हैं ही।

साला तुम्हारे ऊपर
तो हमको बहुते गुस्सा
आता हैं, दो साल से रतिया
मे रोज कसम खाते हो की
कल प्रपोज मारेंगे लेकिन
सुबह स्कूल आते ही सब
टाय टाय फिरस।

क्या बतापु यार
ई हमसे हो नहीं पाता हैं। सोचते हैं
कही बुरा मान गई तो बात करना
भी छोड़ देगी।

अऊर ई जो अंग्रेजी वाले भगत गुरुजी हमेशा बकते रहते हैं 'something is better than nothing, something is better than nothing'.

ई सुनके तो हमारा माथा अऊर घूम जाता हैं इसलिए हम प्रपोज नहीं कर पाते हैं।

फिर जो कल ई लल्लनवा बोला की बेन्चवा पर लिख दो लेकिन वहाँ श्री अपना किरमते खराब रहा।

अबे हम कब का कहे थे कि ' 'प्यार तूने क्या किया ' ' देखा कर, सब सीखा जायुगा लेकिन तुम्हे कौन समझाए...

अब बता करे तो करे का ?

अबे चुप करो तुम यार, उ साला हम तो आठ के आठो सीजन देख लिए, पर सीखे क्या घंटा ?

उसको देख कर और बतिया के खुश तो रहते थे पर उसको प्रपोज ना कर पाने कि वजह से दुखी भी रहते थे...

ई देखो, बेटा लगे हुए हैं मस्ती मे। लेकिन मजाल कहे कि कर दे प्रपोज।

अब हमको ही कुछ करना होगा।

काहे कि बहुते लोग लाइन मे थे यार।

रोहित और ललन, दोनों हमारी वजह से ही कक्षा नौवी में हैं।



क्योंकि हरेक परीक्षा में हमरा ही देख के लिखता हैं दोनों।

दोनों के पास दिमाग नाम के चीजे नहीं हैं



पर पता नहीं कैसे रोहित के दिमाग में एक आइडिया आया...

दूसरे दिन वो आइडिया लेकर मेरे पास आया।



उसी दिन से हमने प्लान पर अमल करना शुरू कर दिया।



कोचिन्हावा में उसकी तरफ देखे श्री नहीं और बात श्री नहीं किए।



लल्लनवा और रोहितवा उसके हर हरकत के बारे में बता रहा था..

बता रहा था कि कैसे वो बेचैन है और..



और कैसे वो बार-बार पलट के देख रही हैं।

में तो तन्त्रिये समझ गया था कि पलट रही हैं...



मतलब पट गई हैं।

यही था रोहितवा का आइडिया, कि बेटा इग्नोर कर वह तुझपे गौर करेगी।



वाह रे रोहितवा ! तेरा आइडिया तो काम कर गया बे।

मंगलवार था इसीलिए कोचिंग में छुटी के बाद हम हनुमान मंदिर में थे।

अबे यार हमें तो
अऊर डर लगने लगा हैं।
ऐसा ना हो कि अब उ हमसे बात
करना ही बंद कर दें।

चुप कर जा
भाई। कल देखियो मेरे आइडियो
का कमाल।

पता नहीं क्यों, पर आज वह भी आ रही थी अपनी सहेलियों के साथ।

अबे कल नहीं
आज बोल, वो देख उधर
वो आ रही हैं अपनी सहेलियों
के साथ।

ईमानदारी से बोल रहा हूँ, कोचिंग में आज एक बार
नहीं देखा था उसको आज, ई आइडिया के चक्कर में..

..और दिल से हमको इसका अफसोस हैं, घनघोर अफसोस हैं यार।

आ रही
हैं, इधर ही आ
रही हैं।

ओउ चुप कर।

आज लाल कपड़े में का गजब का नजर आ रही थी, झनझना
गया था हमरा दिमाग। एकदम ललनटाप नजर आ रही थी।

और हम अभी इतना देर बाद देख रहे थे इसी बात का अफसोस था।

उसकी सहेली शालू हमारे पास आते ही बोली..

हम समझ गए आई लव यू बोलने के लिए
ही बुलाया है..

ए सोनू! विशु
तुझसे बात करना चाहती हूँ
अकेले में, उधर जा।

बेस्ट आफ
लक सोनू।

पर जैसे ही पहुँचे..

हमारा दाँया बाल में एक जोर का लापा मारी,
एकदम बहुते जोर से था यार।

चटाक

..और फिर बाँधे।

चटाक

बाप रे ! हाथ इतना कोमल और प्रहार इतना बलिष्ठ ?

हम अपने दोनों गाल सहलाते हुए विशुषे को ताके जा रहे थे, ऊ बहुत गुस्से में थी।

उ तुरंत हमरा कालर पकड़ के गुस्से में बोली..

का समझे हो
तुम अपने आप को
ओल के पैदाइश ? एगो
लड़की ना पटा सके हो ,
दिमाग में कच्छू घुसा हैं
का तुम्हारे ? ?

सौचा की
बताएंगे नहीं तो
एक दिन खुद
आके आई लव
यू बोलेगी ?

मारेंगे ना एक
लपेट कि सेटेलाइट
बन के मंगल का
चक्कर लगाओगे।



और खबरदार
जो आज के बाद
हमसे बात करना बंद
किया तो दांत तोड़ के
हाथ में देय देंगे

उ दोनों हाथ कमर पर रखे हुए
थी, आंखें बड़ी-बड़ी और लाल थी।



चुपचाप से
हमको आई लव यू बोलो
और फूटो यहाँ से।

यहीं जो थोड़ी देर पहिले हमरा दिल
झनझना रहा था वह अब धरधरा रहा था।

लाल सूट में चेहरा बड़ा भयावह था ?
भैया, हमरा तो रोम रोम खड़ा था,...



बोलते हो
कि नहीं ?

और हाल अइसा था कि ज्यादा
कुछ हम याद नहीं रख पाए...

होशे नहीं था उ टाइम, पर बस ई याद हैं कि बकरी की तरह हम मिमियाये थे, उ भी धीरे से...



आई लव यू

समाप्त

ब्लैक बोर्ड-6

नमस्कार बंधुओं,

यह कामिक्स तो आप सब अभी खत्म कर के आ रहे होंगे और आशा करता हूं कि नई जॉनर की एक कहानी पढ़ कर आपको मजा भी आया होगा। डायलॉग्स को आम बोलचाल की तरह ही दिखाया गया है। एक छोटी सी प्रेम कहानी या यूँ कहें कि प्रेम की एक अवस्था को दिखाया गया है। चुटकीले और बेहद देशी अंदाज में यह लघु कामिक्स आपको अपने किशोरावस्था के दिनों की खूब मीठी यादों में उलझा सकता है।

आर्टवर्क की बात करें तो कैरेक्टर्स को 'मांगा' स्टाइल के सांचे में ढाला गया है जिसपर कलर भी काफी निखार कर सामने आया है। कुल मिला कर प्रयास पहले से अधिक हो रहा है जो दिख भी रहा है। पिछला अंक 'इरा - अंतरिक्ष का हमला' के आर्ट और कलर कि प्रशंसा की गई थी और पाठकों ने ज्यादा पृष्ठों की कामिक्स को खूब सराहा भी पर हमारी मेहनत के अनुरूप ब्लॉग और फेसबुक पेज पर कमेंट्स कम आए जिससे हमें आपके कीमती सुझावों की भारी किल्लत से जूझना पड़ा। अभी तक का सुधार आप लोगों के सुझावों को अपना कर ही हासिल हुआ है। आगे भी मार्गदर्शन करते रहें।

धन्यवाद।

आपके हितैषी
टीम डार्क मैजिक कॉमिक्स

www.darkmagickworld2020.blogspot.com
मैसेज करें - fb.me/DarkMagicComics